



Package of Practice

Particular	English	Hindi
Crop	Knol Khol	Knol Khol
Season/Region	Summer, Rabi, Kharif as per Truthful Label	ग्रीष्म, रबी, खरीफ (दृथफुल लेबल के अनुसार)
Land preparation	Field should be well prepared free from weeds and well drainage facility. 1-2 deep ploughing, Soil should be exposed to sunlight, 3 to 4 rounds of harrows to reach fine tilt. Before final harrow, apply 8 to 10 MT well decomposed FYM/acre along with 250 gm Trichoderma for controlling soil born fungus.	खेत को खरपतवारों से मुक्त और अच्छी जल निकासी की सुविधा के साथ अच्छी तरह तैयार किया जाना चाहिए। 1-2 गहरी जुताई करें, मिट्टी को धूप में खुला रखें, 3 से 4 बार हेरो चलाएँ ताकि मिट्टी अच्छी तरह से झुक जाए। अंतिम हेरो चलाने से पहले, मिट्टी में पैदा होने वाले फफूंद को नियंत्रित करने के लिए 8 से 10 मीट्रिक टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद/एकड़ के साथ 250 ग्राम ट्राइकोडर्मा डालें।
Seed rate & Method	Seed Rate: 2.0 - 2.5 Kg per acre. Sowing: Direct in main field.	बीज दर: 2.0 - 2.5 किलोग्राम प्रति एकड़। बुवाई: मुख्य खेत में सीधे।
Spacing	Spacing: Row to Row and Plant to Plant - 15 - 20 x 10 cm.	दूरी: पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे - 15 - 20 x 10 सेमी.
Harvest	Full physiological mature roots starts harvesting at 75-80 days.	पूर्ण शारीरिक परिपक्व जड़ों की कटाई 75-80 दिनों में शुरू होती है।
Expected Average Yield	Average yield: 12-15 MT/acre (depending on season and cultural practice).	औसत उपज: 12-15 मीट्रिक टन/एकड़ (मौसम और कृषि पद्धति पर निर्भर करता है)।
Nutrient Management	Total N:P:K requirement @ 80:100:120 kg per acre. Dose & Timing: Basal Dose: Apply 50% N and 100% P, K as basal dose during final land preparation. Top Dressing: 25% N at 30 days after sowing and 25% N at 50 days after sowing.	कुल नाइट्रोजन: फास्फोरस: पोटेशियम की आवश्यकता 80:100:120 किग्रा प्रति एकड़। मात्रा एवं समय: आधारभूत मात्रा: अंतिम भूमि तैयारी के दौरान 50% नाइट्रोजन और 100% फास्फोरस, पोटेशियम की आधारभूत मात्रा डालें। टाप ड्रेसिंग: बुवाई के 30 दिन बाद 25% नाइट्रोजन और बुवाई के 50 दिन बाद 25% नाइट्रोजन डालें।
Pest & Disease management	Root & Crown Rot Carbendazim 50% WP - 2g/l Drinching Copper Hydroxide 77% WP - 2g/l Drinching Leaf Blight Difenoconazole 25% EC - 1.0ml/L Mancozeb 75% WP 2.5g/L Powdery Mildew Triadimefon 25% WP - 0.3g/L Penconazole 10% EC - 0.5ml/L Nematodes Furadon 10% G - 10kg/acre Azadirectin - 400kg/acre Aphids Imidacloprid 17.8%SL - 0.5ml/L Difenthiuron 50% WP - 1.0g/L Thiamethoxam 25% WG - 1.0g/L - 2g/l Drinching Leaf Eating Caterpillar Indoxacarb 14.5% SC 1.5ml/L Profenophos 40%+Cypermethrin 4% EC - 1.0ml/L	जड़ एवं मुकुट सड़न कार्बेन्डाज़िम 50% WP - 2 ग्राम/लीटर छिड़काव कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77% WP - 2 ग्राम/लीटर छिड़काव पत्ती झुलसा डाइफेनोकोनाज़ोल 25% EC - 1.0 मिली/लीटर मैन्कोज़ेब 75% WP 2.5 ग्राम/लीटर पाउडरी फफूंदी ट्रायडिमैफोन 25% WP - 0.3 ग्राम/लीटर पेनकोनाज़ोल 10% EC - 0.5 मिली/लीटर सूत्रकृमिनाशक फ्युराडॉन 10% G - 10 कि.ग्रा./एकड़ एज़ाडायरेक्टिन - 400 कि.ग्रा./एकड़ एफिड्स इमिडाक्लोप्रिड 17.8%SL - 0.5 मिली/लीटर डायफेन्थियूरॉन 50% WP - 1.0 ग्राम/लीटर थियामेथोक्सम 25% WG - 1.0 ग्राम/लीटर - 2 ग्राम/लीटर ड्रिंचिंग पत्ती खाने वाली इल्ली इंडोक्साकार्ब 14.5% एससी 1.5 मिली/लीटर प्रोफेनोफोस 40%+साइपरमैथ्रिन 4% ईसी - 1.0 मिली/लीटर
Weed Control - Chemicals with doses and timing	Timely weed removal is very important, need based hand weeding can be done to ensure healthy crop.	समय पर खरपतवार निकालना बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार हाथ से निराई की जा सकती है।
Irrigation Schedule	Irrigation Frequency Depends upon - A. Soil type: Light soils need more frequency. Heavy soil needs less frequency. B. Crop Stage: Vegetative stage: maintain adequate moisture for development of roots. Flowering & fruiting - frequent and shallow irrigation. Harvesting - gradually reduce irrigation during harvesting. C. Growing season: Summer - requires frequent irrigation. Winter-As against summer season, in winter the irrigation frequency is longer. Rainy-very less frequency depending up on soil moisture.	सिंचाई की आवृत्ति इस पर निर्भर करती है - क. मिट्टी का प्रकार: हल्की मिट्टी में अधिक बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। भारी मिट्टी में कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। ख. फसल अवस्था: वानस्पतिक अवस्था: जड़ों के विकास के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखें। पुष्पण और फलन - बार-बार और उथली सिंचाई करें। कटाई - कटाई के दौरान सिंचाई धीरे-धीरे कम करें। ग. उगने का मौसम: ग्रीष्म - बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। शीत ऋतु - ग्रीष्म ऋतु की तुलना में, शीत ऋतु में सिंचाई की आवृत्ति अधिक होती है। वर्षा ऋतु - मिट्टी की नमी के आधार पर बहुत कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है।